MR. CHAIRMAN; Mr. G. C. Bhatta charya___ Don't you want to put a ques tion? lt would be rather surprising if you don't. Question No. 233 ...Shri Ashwani Kumar.

♦233. *The Questioner (Shri Ashwani Kumar) was absent. For answer* vide *col.* 39 infra.]

SHRI G. C. BHATTACHARYA: My name is here, Sir, I am putting.

MR. CHAIRMAN: I have already gone over to another question. Now your brain wave is too late-Islands belonging to India in the Bay of Bengal,

Tbe Indian Ocean and tne Arabian Sea

*234. SHRI LAKHAN SINGH;
SHRl HARI SHANKAR BHABHRA :f

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of islands belonging to India in the Bay of Bengal, the Indian Ocean and in the Arabian Sea with their area and population;

fThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Hari Shankar Bhabhra.

(b) what is the number of islands which are uninhabited 'and what special steps have been taken for their development and defence: and

(c) what is the number of islands which have some inhabitants but do not have a school or hospital or post ofrke or police station?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) A statement is attached.

(b) On the basis of the available information, number of uninhabited islands in the Bay of Bengal, Arabian Sea and the Indian Ocean is as follows:

Arban Sea	358
Bay of Bengal	219
INDIAN OCEAN TOTAL . .	577

Joint measures for the defence of islands have been planned by the Armed services. As regards, the steps taken for development of uninViabited islands, the information is bein;:; collected and will be laid on the Table of the House.

(c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Statement

Locality	No. of Indian Islands including rocks	Area (sq. Kms)	Provisional population as per 1981 Census
1	2	3	4
Bay of Bengal (including) A. & N Islands)	723	9140·75	3,65,222
Arabian Sea	474	322·82	68,267
Indian Ocean Total:	1197	9463·57	4,33,489

MR. CHAIRMAN: I think that's about aU, unless you want to go there!

श्री हरी शंकर भाभड़ा : सभापति महोदय, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में स्थित जो द्वीप है वहां पर लोग रह रहे हैं वहां उन लोगों को आने जाने में मेन लैंड से जो कम्युनिकेशन के साधन हैं वे पर्याप्त नहीं हैं । अंडमान में पोर्टब्लेयर में लगभग 50 हजार से अधिक की जनसंख्या रहती है । मैं स्वयं वहां गया हूं और वहां लोगों को एक एक महीने तक डाक नहीं मिलती है । पत्रों की डिलीवरी नहीं होती है। वहां पोस्टमैन के द्वारा डाक की डिलीवरी नहीं होती है । वहां पर जिन को अपनी मेल लेनी होती है उन को स्वयं पोस्ट् आफिस जाना पड़ता है और दूर दराज के हिस्सै में जो जगहें हैं उन को तो छोड़िये पोर्ट ब्लेयर में भी यह स्थिति है कि वहां पोस्ट मैन डाक नहीं वितरित करता । आने जाने के बारे में स्थिति यह है कि सप्ताह में दो बार हवाई जहाज जाता है मद्रास से एक बार और एक बार कलकत्ता से और वहां पर अधिकांशतः ऐसे लोग हैं जो गवर्नमेंट सर्विस में हैं । वे मेन लैंड से गये हुए हैं और अपने परिवार के साथ वहां रहते हैं । तो उन की सुविधा के लिये, साधनों की उपलब्धि की उन की आवश्यकता के मुताबिक कराने के लिये क्या आप अन्य कोई व्यवस्था करने की बात सोच रहे हैं?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : हवाई जहाज के अतिरिक्त पानी का जहाज भी मद्रास और कलकत्ता से इन दोनों स्थानों के लिये जाता है । यह बात सही है कि उस में समय ज्यादा लगता है लेकिन उस जहाज की सर्विस भी पहले के मुकाबले में इम्प्रूव की गयी है और उस में काफी सुधार किया गया है ।

श्री हरी शंकर भाभड़ा इसी तरह से लक्ष द्वीप में एक जहाज जाता है और वह जहाज लौट कर आता है । जो लोग टूरिस्ट की हैसियत से वहां जाना चाहते हैं उन के लिये भी सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं । लक्ष द्वीप में भी और बहुत से लोग जाना चाहते हैं लेकिन इस संबंध में सरकार का ध्यान बिलकुल नहीं है । तो कम से कम इस द्वीप में टूरिज्म को बढ़ाने के लिये और आवागमन के साधन दिये जाने चाहिए । आप ने जो पानी के जहाज की बात कही है, उस में पहली बात तो यह है कि वह इतना समय लेता है और कई बार वह दो दो और तीन तीन दिन तक पहुंचा नहीं पाता, एक एक दिन तक वह समुद्र में ही खड़ा रहता है, उस को क्लियरेंस नहीं मिलता और उस से लोगों को परेशानी होती है । एक और कठिनाई होती है कि उस में रिजर्वेशन जब होता है कि जब अंडमान की एथारिटीज कंफर्म कर देती है । सीधे उस में रिजर्वेशन नहीं होता है । तो क्या इन सारी कठिनाइयों को ध्यान में रख कर जो तीन या चार लाख के करीब लोग वहां रहते हैं उन की सुविधा के लिये जो अपनी मेन लैंड से दूर रह रहे हैं उन के बारे में आप कुछ करना चाहते हैं या नहीं ? या जो कुछ सुविधायें हैं उन को ही आप पर्याप्त समझ रहे हैं ?

श्री जी० सी० भट्टाचार्य : यह तो अभी भी काला पानी है ।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : "भारत सीमा" नाम का जहाज, स्टीमर लक्ष द्वीप में काफी कोशिशों के बाद उपलब्ध कराया गया है वह वहां चल रहा है । लेकिन जहां तक इसमें टूरिस्ट ट्रेफिक डेवलप करने का सवाल है, टूरिज्म मिनिस्टरी के साथ बराबर विचार-विनिमय कर रहे हैं कि किस तरह से टूरिज्म वहां बढ़ सकता है.

और किस तरह से वहां आने-जाने की सुविधा बढ़ाई जा सकती है, इस पर भी विचार किया जा रहा है ।

SHRI DINESH GOSWAMI: Sir, in the answer to the question, I feel, only one aspect of the situation has been taken care of. That is, they open it for tourism and make provisions for hospital. But there is another aspect; and that is, the people living in these islands lead a primitive way of life, and the encroachment of modern civilization may affect these people very adversely. In fact, the policy of the Government is not to disturb them. Therefore, I should like to know whether a study has been made in both these directions, that they do not stand exposed and it does not create a total imbalance in them.

SHRI P. C. SETHI: Sir, these aspects are always kept in view and we are constantly making a study of this problem. And whenever we feel that the local population is going to be disturbed by the influx of other people coming from other parts, their coming is stopped.

श्री शिव चन्द्र झा : क्या मंत्री महोदय को पता है लक्ष द्वीप ग्रुप "बंगाराम" आइलेंड है जिसमें एक भी आदमी नहीं रहता है । लेकिन अगल-बगल में दर्शक, पर्यटक उसका लाल-पीला, सुन्दर पानी देखने के लिये, नहाने के लिये जाते हैं। मैं वहां गया हूं, मैंने वहां जाकर देखा है, कोई आदमी वहां नहीं रहता । उसको आप टूरिस्ट सेन्टर बनाने के लिये क्या कार्रवाई कर रहे हैं? वह टूरिस्ट सेन्टर के काफी फिट जगह है । दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं...

श्री सभापति : पहले इसको तो तय कर लें।

श्री शिव चन्द्र झा : मिनिकाय आइलैंड बहुत लम्बा है। आपने बताया कि लक्ष द्वीप में हवाई जहाज चलता है तो मैं जानना चाहता हूं यहां के लिये हवाई जहाज की क्या व्यवस्था है? यहां के लिये भी हवाई जहाज की जल्दी व्यवस्था होनी चाहिये । यहां के लिये स्टीमर भी चला सकते हैं ।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : ऐसे कई स्थान हैं जहां पर लोग नहीं रहते हैं। मगर खुशी की बात है कि वहां पर पेड़-पौधे और पक्षी काफी संख्या में हैं । दूसरे वाइल्ड किस्म के जानवर भी वहां पर हैं ।

श्री सभापति : यह तो वहां पर हो आए हैं।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : उनकी सुरक्षा करना जरूरी है ।

श्री शिव चन्द्र झा : वहां का एटमोस्फीयर बहुत अच्छा है । वहां पर यह बन सकता है ।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : वहां पर ऐसा कोई खतरनाक जानवर नहीं है जिससे माननीय सदस्य को हानि हो ।

श्री रामानन्द यादव : अंडेमान निकोबार के आस-पास अनेकों द्वीप हैं जिन छोटे-छोटे द्वीपों में लोग बसे हुए हैं । लेकिन मेन अंडेमान द्वीप से या निकोबार द्वीप से उन छोटे द्वीपों में जाने को कोई सुविधा लोगों को नहीं है । वहां पर कभी-कभी छोटी-छोटी नौकाएं, या छोटी-छोटी मोटरबोट्स प्राइवेट चलती हैं जो वहां के लोगों का शोषण करती हैं। क्या इस बात को मद्देनजर रखते हुए वहां एक छोटे द्वीप से दूसरे द्वीप में, अंडेमान से या निकोबार से छोटे द्वीपों में जाने में जो कठिनाई होती है, प्राइवेट लोग जो लांज चलाते हैं, मोटर बोट्स चलाते हैं और यात्रियों से काफी पैसा चार्ज करते हैं, ऐसी सूरत में क्या इन्टर

आइलेंड मोटर बोट सर्विस सरकार की तरफ से चलाने के लिये कोई विचार है ताकि आने-जाने की सुविधा प्राप्त हो सके और प्रति दिन वह चले क्योंकि अभी स्थिति यह है कि एक सप्ताह में वह दो बार ही जाती है ? इन आइलेण्डस में कम्युनिकेशन्स सप्ताह में एक बार या दो बार ही होता है । प्रति दिन इस का प्रबन्ध करने के लिए सरकार क्या कर रही है ? प्रति दिन मोटर बोट चल सके, इसके लिए आप क्या प्रबन्ध करने जा रहे हैं ?

श्री प्रकाश चन्द्र सैठी : माननीय सदस्य का सुझाव अच्छा है । इस पर जैसे ही आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, अवश्य विचार किया जाएगा ।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Cases of bride burning in Delhi

*221. SHRI KALRAJ MISHRA:
SHRI RAM LAKHAN PRASAD GUPTA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the numher of bride burning cases in Delhi which took place during the years 1980-81, 1981-82, and so far during the current year; and

(b) the number of cases which were (i) investigated (ii) registered, (iii) challaned, (iv) decided by the court and (v) in which culprits were awarded sentence?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): (a) and (b) The number of women burning cases which were reported to the Delhi Police during the years 1980-81, 1981-82, 1982-83 and from 1-4-1983 to 30.11.1983 tre mentioned below:—

1980-81	(1.3.80 to 31.3.81)	421
1981-82	(1.4.81 to 31.3.82)	568
1982-83	(1.4.82 to 31.3.83)	619
1983	(1.4.83 to 30.11.83)	371

2. Separate figures in respect of bride burning cases namely those relating to women who have been victims within five years of their marriage are "Ijeing compiled and will be laid on the Table of the House.

3. The break-up of these cases under various crime heads and the progress of investigation/trial, etc. are indicated below:

Crime Head	Reported during the period 1-3-80 to 30-11-83	Cases Investigated	Under Investigation	challaned	decided by the court	Convicted
1	2	3	4	5	6	7
302 I. P. C. Murder . .	82	70	12	53	21	8
306 I. P. C. Abetment to Suicide . . .	120	91	29	55	13	2
307 I. P. C. Attempt to Murder . . .	11	9	2	8	3	1
309 I. P. C. Attempt to Commit Suicide . .	230	211	10	13	6	6
174 Cr. P. C. Inquest proceedings	1536*					

*Filed—892.
Under Enquiry—314.